गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ

मेहरा हो गइयाँ मेहरा हो गइयाँ,
गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ,
जिथे चरण टिकाये मेहरा हो गइयाँ,
गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ,

सतगुरु दे चरना विच वरकत,
वरकत दे विच वसदा अमृत,
जो पीवे तर जावे मेहरा हो गईया,
गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ,

जिथे गुरु जी चरण टिकाउँदे,
कष्ट रोग सारे मिट जांदे,
सत्संग विच गुरु आये मेहरा हो गाइयाँ,
गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ,

भीलनी ने चरनामत पीता दर्शन उसने राम दा किता,
झूठे बेर खिलाये मेहरा हो गईया,
गुरु जी मेरे आये मेहरा हो गइयाँ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7836/title/guru-ji-mere-aaye-mehra-ho-gaiyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |